धन की देवी वैभव लक्ष्मी की गाथा | By Kumaar Mukesh |

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

धन वैभव से झोली भरती
निर्धन को धनवान करे
निर्धन को धनवान करे
जग कल्याणी माँ वरदानी
सबका ही कल्याण करे
सबका ही कल्याण करे
पूज रहा संसार है
महिमा बड़ी अपार है
करती माँ उद्धार है
जो मैया का ध्यान लगावे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

धन की देवी मात लक्ष्मी
साफ-सफाई चाहती है
करे निवास उस घर में माता
जहाँ स्वच्छता रहती है
जहाँ स्वच्छता रहती है
रखो शुद्ध विचार है
चलेगा तब व्यापार है
जीवन का यही सार है
माँ लक्ष्मी को जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

उस घर को माँ अशुभ मानती
लक्षण तुम्हें बताते हैं
लक्षण तुम्हें बताते हैं
जहाँ पड़े हो झूठे बर्तन
माँ को कभी ना भाते हैं
माँ को कभी ना भाते हैं

वो घर सबसे बेकार है
दु:ख मिलते बेशुमार है
वो दुखी रहे परिवार है
माँ लक्ष्मी को जो कोई पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

वैभव लक्ष्मी व्रत की कथा
अब भक्तों तुम्हें सुनाते हैं
भक्तों तुम्हें सुनाते हैं
स्त्री पुरुष दोनों ही माँ के
इस व्रत को रख सके हैं
इस व्रत को रख सकते हैं
नियम इस प्रकार है
सुन लो तुम एक बार है
माँ की बोलो जयकार है
जो कोई माँ लक्ष्मी को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

आओ बताएँ लक्ष्मी माँ का
व्रत ये कैसे रखना है
व्रत ये कैसे रखना है
श्वेत वस्तुएँ श्वेत फूल से
माँ की पूजा करना है
माँ की पूजा करना है
इस रंग से माँ को प्यार है
पूजे माँ को संसार है
ये व्रत माँ को स्वीकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

सुहागन नारी इस व्रत को जो
श्रद्धा भाव से रखती है
श्रद्धा भाव से रखती है

वैभव लक्ष्मी उस नारी से
बहुत प्रसन्न हो जाती है
बहुत प्रसन्न हो जाती है
पुत्र का मिले उपहार है
घर में गूँजे किलकार है
सच्चा ये दरबार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

21 शुक्रवार सबको
माँ के व्रत ये रखना है
माँ के व्रत ये रखना है
सारे व्रत पूरे होने पर
उद्यापन भी करना है
उद्यापन भी करना है
उद्यापन अनिवार्य है
माँ को तभी स्वीकार है
लक्ष्मी माँ का अधिकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

माँ लक्ष्मी के व्रत को प्रारंभ
कैसे तुमको करना है
कैसे तुमको करना है
चाँदी की प्रतिमा मैया की
या तस्वीर लगाना है
या तस्वीर लगाना है
चौकी कर ली तैयार है
माँ को नमन एक बार है
रखो मन में शुद्ध विचार है
जो कोई पूजे लक्ष्मी माँ को
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

अष्ट लक्ष्मियों का नाम ले
पूजा प्रारंभ करना है
पूजा प्रारंभ करना है
धन के रूप में सिक्कों का ही
प्रयोग तुमको करना है
प्रयोग तुमको करना है
श्वेत फूल के हार है
जो माता को स्वीकार है
मंत्रों का करो उच्चार है
कर लो लक्ष्मी माँ की पूजा
माँ को जो स्वीकार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

खीर को माँ का भोग लगाओ
प्रसादी बटवाओ तुम
प्रसादी बटवाओ तुम
व्रत मेरे स्वीकार करो माँ
सोए भाग्य जगाओ तुम
सोए भाग्य जगाओ तुम
खुशियों की बहार है
दीपों का त्योहार है
सपने करे साकार है
वैभव लक्ष्मी माता तुमको
मेरा नमस्कार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

यह व्रत करने वाले उपासक
सुख-समृद्धि पाते हैं
सुख-समृद्धि पाते हैं
वैभव लक्ष्मी व्रत रखने से
कार्य सफल हो जाते हैं
कार्य सफल हो जाते हैं
चलेगा कारोबार है
बढ़ेगा खूब व्यापार है
सुखी रहे परिवार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है

ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

उद्यापन बिन फल नहीं मिलता
माँ लक्ष्मी के बोल हैं
ये माँ लक्ष्मी के बोल हैं
भक्तों माता लक्ष्मी के ये
वचन बड़े अनमोल हैं
वचन बड़े अनमोल हैं
समझावे बार-बार है
व्रत जीवन का आधार है
ये माँ का उपकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

एक बात का रखो ध्यान तुम
माँ को अगर बुलाना है
माँ को अगर बुलाना है
सूर्य अस्त के बाद कभी घर
झाड़ू नहीं लगाना है
झाड़ू नहीं लगाना है
माँ से जो करते प्यार है
वो रखे शुद्ध विचार है
वो रहे सुखी परिवार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

एक बात तुम्हें और बताएँ
तुमको ध्यान रखना है
तुमको ध्यान रखना है
माँ लक्ष्मी के संग-संग
विष्णु जी की पूजा करना है
ध्यान ये बारंबार है
तब हो सुखी संसार है
ये पूजा का संस्कार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

देवी समान होती है नारी
करो ना उसपे अत्याचार
करो ना उसपे अत्याचार
जहाँ जुल्म होते नारी पे
सुखी नहीं रहता परिवार
सुखी नहीं रहता परिवार
ये ग्रंथों का सार है
माँ करती तब प्यार है
माँ का ये दरबार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

धन वैभव से झोली भरती
निर्धन को धनवान करे
निर्धन को धनवान करे
जग कल्याणी माँ वरदानी
सबका ही कल्याण करे
सबका ही कल्याण करे
पूज रहा संसार है
महिमा बड़ी अपार है
करती माँ उद्धार है
जो मैया का ध्यान लगावे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

धन की देवी मात लक्ष्मी
साफ-सफाई चाहती है
करे निवास उस घर में माता
जहाँ स्वच्छता रहती है
जहाँ स्वच्छता रहती है
रखो शुद्ध विचार है
चलेगा तब व्यापार है
जीवन का यही सार है

माँ लक्ष्मी को जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

उस घर को माँ अशुभ मानती
लक्षण तुम्हें बताते हैं
लक्षण तुम्हें बताते हैं
जहाँ पड़े हो झूठे बर्तन
माँ को कभी ना भाते हैं
माँ को कभी ना भाते हैं
वो घर सबसे बेकार है
दु:ख मिलते बेशुमार है
वो दुखी रहे परिवार है
माँ लक्ष्मी को जो कोई पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

वैभव लक्ष्मी व्रत की कथा
अब भक्तों तुम्हें सुनाते हैं
भक्तों तुम्हें सुनाते हैं
स्त्री पुरुष दोनों ही माँ के
इस व्रत को रख सके हैं
इस व्रत को रख सकते हैं
नियम इस प्रकार है
सुन लो तुम एक बार है
माँ की बोलो जयकार है
जो कोई माँ लक्ष्मी को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

आओ बताएँ लक्ष्मी माँ का
व्रत ये कैसे रखना है
व्रत ये कैसे रखना है
श्वेत वस्तुएँ श्वेत फूल से
माँ की पूजा करना है
माँ की पूजा करना है

इस रंग से माँ को प्यार है
पूजे माँ को संसार है
ये व्रत माँ को स्वीकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

सुहागन नारी इस व्रत को जो
श्रद्धा भाव से रखती है
श्रद्धा भाव से रखती है
वैभव लक्ष्मी उस नारी से
बहुत प्रसन्न हो जाती है
बहुत प्रसन्न हो जाती है
पुत्र का मिले उपहार है
घर में गूँजे किलकार है
सच्चा ये दरबार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

21 शुक्रवार सबको
माँ के व्रत ये रखना है
माँ के व्रत ये रखना है
सारे व्रत पूरे होने पर
उद्यापन भी करना है
उद्यापन भी करना है
उद्यापन अनिवार्य है
माँ को तभी स्वीकार है
लक्ष्मी माँ का अधिकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

माँ लक्ष्मी के व्रत को प्रारंभ
कैसे तुमको करना है
कैसे तुमको करना है

चाँदी की प्रतिमा मैया की
या तस्वीर लगाना है
या तस्वीर लगाना है
चौकी कर ली तैयार है
माँ को नमन एक बार है
रखो मन में शुद्ध विचार है
जो कोई पूजे लक्ष्मी माँ को
उसका बेड़ा पार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

अष्ट लक्ष्मियों का नाम ले
पूजा प्रारंभ करना है
पूजा प्रारंभ करना है
धन के रूप में सिक्कों का ही
प्रयोग तुमको करना है
प्रयोग तुमको करना है
श्वेत फूल के हार है
जो माता को स्वीकार है
मंत्रों का करो उच्चार है
कर लो लक्ष्मी माँ की पूजा
माँ को जो स्वीकार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

खीर को माँ का भोग लगाओ
प्रसादी बटवाओ तुम
प्रसादी बटवाओ तुम
व्रत मेरे स्वीकार करो माँ
सोए भाग्य जगाओ तुम
सोए भाग्य जगाओ तुम
खुशियों की बहार है
दीपों का त्योहार है
सपने करे साकार है
वैभव लक्ष्मी माता तुमको
मेरा नमस्कार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

यह व्रत करने वाले उपासक
सुख-समृद्धि पाते हैं
सुख-समृद्धि पाते हैं
वैभव लक्ष्मी व्रत रखने से
कार्य सफल हो जाते हैं
कार्य सफल हो जाते हैं
चलेगा कारोबार है
बढ़ेगा खूब व्यापार है
सुखी रहे परिवार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

उद्यापन बिन फल नहीं मिलता
माँ लक्ष्मी के बोल हैं
ये माँ लक्ष्मी के बोल हैं
भक्तों माता लक्ष्मी के ये
वचन बड़े अनमोल हैं
वचन बड़े अनमोल हैं
समझावे बार-बार है
व्रत जीवन का आधार है
ये माँ का उपकार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

एक बात का रखो ध्यान तुम
माँ को अगर बुलाना है
माँ को अगर बुलाना है
सूर्य अस्त के बाद कभी घर
झाड़ू नहीं लगाना है
झाड़ू नहीं लगाना है
माँ से जो करते प्यार है
वो रखे शुद्ध विचार है
वो रहे सुखी परिवार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है

ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

एक बात तुम्हें और बताएँ
तुमको ध्यान रखना है
तुमको ध्यान रखना है
माँ लक्ष्मी के संग-संग
विष्णु जी की पूजा करना है
ध्यान ये बारंबार है
तब हो सुखी संसार है
ये पूजा का संस्कार है
जो कोई लक्ष्मी माँ को पूजे
धन से भरे भंडार है

आज शुक्रवार है
माँ लक्ष्मी का वार है
ममता का यह द्वार है
सच्चे मन से जो कोई पूजे
धन से भरे भंडार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a5%88%e0%a4%ad%e0%a4%b5-%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80/